भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2090

उत्तर देने की तारीख-09/12/2024

केजीबीवी में एससी/एसटी और वंचित समूह के छात्र

+2090.**श्री नवसकनी के.:**

श्री जी. सेल्वम:

श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित समूहों के कितने छात्रों को दाखिला दिया गया है;

(ख) इन समुदायों से दाखिलों को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या विशेष उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) वर्तमान में केजीबीवी में कितने शिक्षक कार्यरत हैं;

(घ) क्या सरकार द्वारा इन विद्यालयों में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है;

(ङ.) आकांक्षी जिलों में स्थापित केजीबीवी की संख्या कितनी है और उनमें बच्चों के नामांकन की स्थिति क्या है; और

(च) क्या सरकार द्वारा इन विद्यालयों में मध्याह्न भोजन, चिकित्सा जांच जैसी कोई स्वास्थ्य और पोषण सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क): दिनांक 20.11.2024 की स्थिति के अनुसार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में श्रेणीवार नामांकन निम्नानुसार है:-

कुल कार्यरत केजीबीवी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	बीपीएल श्रेणी	अन्य
5,133	1,93,302	1,83,440	2,59,092	46,858	28,761

(स्रोतःप्रबंध पोर्टल)

(ख): समग्र शिक्षा लड़कियों की शिक्षा सहित प्रारम्भिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान करती है। इसमें नियमित स्कूलों से वंचित बस्तियों में लड़कियों के लिए आवासीय विद्यालय की सुविधा, महिला शिक्षकों की भर्ती पर जोर, निशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, यूनिफार्म आदि उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा, केजीबीवी में लड़कियों को प्रतिधारित करने के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विशेष नामांकन अभियान, बाल विवाह पर जागरूकता अभियान, सामुदायिक भागीदारी, पाठ्येतर गतिविधियाँ भी आयोजित करते हैं।

(ग): राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, केजीबीवी में **24,177** शिक्षक हैं।

(घ): समग्र शिक्षा के अंतर्गत, स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा) एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों सहित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) के शिक्षकों को सुसज्जित करना है, ताकि छात्रों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दिया जा सके और शिक्षा की गुणवत्ता और अधिगम के परिणामों में सुधार किया जा सके। निष्ठा को अब स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में शिक्षकों को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया है।

निष्ठा के हिस्से के रूप में, शिक्षकों को अधिगम परिणाम, योग्यता-आधारित शिक्षण और मूल्यांकन, शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र, स्कूल सुरक्षा और सरंक्षा, व्यक्तिगत और सामाजिक गुण, समावेशी शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित शिक्षण में आईसीटी के उपयोग जैसे विभिन्न पहलुओं पर उन्मुख किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में स्वास्थ्य और कल्याण (योग सहित), स्कूल शिक्षा में नई पहल (जैसे, पुस्तकालय, इको-क्लब, युवा क्लब, किचन गार्डन), स्कूल नेतृत्व विकास, पर्यावरण संबंधी मुद्दे, प्री-स्कूल और प्री-वोकेशनल शिक्षा और स्कूल-आधारित मूल्यांकन शामिल हैं, जो सभी एक आनंदमय और आकर्षक तरीके से प्रदान किए जाते हैं।

(ङ): आकांक्षी जिलों में कुल **1,114** केजीबीवी कार्यरत हैं जिनमें **1,81,822** लड़कियां नामांकित हैं।

(च): चूंकि केजीबीवी आवासीय विद्यालय हैं, इसलिए अन्य सुविधाओं के अलावा केजीबीवी की लड़कियों को पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा, समग्र शिक्षा योजना में चिकित्सा देखभाल/आकस्मिकता के लिए प्रावधान किए गए हैं। केजीबीवी में रहने वाली लड़कियों की चिकित्सा देखभाल, किसी भी चिकित्सा आकस्मिकता के प्रबंधन, मासिक धर्म स्वच्छता आदि के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****